AMALIT
Alliance for Multidisciplinary Academic Linkages in Innovation and Transformation

INTERNATIONAL CONFERENCE
2023 JANUARY 23 24 25 Second Edition

TOWARDS Zero
FOR A SUSTAINABLE TOMORROW

DEPARTMENT OF HINDI

साहित्य और विश्वदृष्टि

PROGRAMME SCHEDULE

23 / 01 /23 सत्र - 1 (2 PM-5 PM)

स्वागत भाषण : डॉ शहला के पी
सहायक आचार्या & अध्यक्षा
हिंदी विभाग
अमल कॉलेज ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, निलंबूर, केरल

अध्यक्ष : डॉ वी के सुब्रमण्यन
आचार्य, हिंदी विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय,केरल

बीज वक्तव्य : साहित्य और विश्वदृष्टि
श्री मुकेश वर्मा
साहित्यकार & संपादक, वनमाली कथा
निदेशक, वनमाली सृजन पीठ, भोपाल

आमंत्रित वक्ता

1. डॉ राकेश मिश्रा : साहित्य और विश्वदृष्टि
   सह आचार्य, गांधी एवं पीस स्टडी विभाग,
   महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
2. सुश्री पूजा अनिल : विविधता बनाम एकरूपता
   संस्थापक, हिंदी गुरुकुल
   हिंदी अनुवादक, स्पेइन
3. डॉ मिनी ई : हाशिये की विश्वदृष्टि
   सह आचार्य,हिंदी विभाग
   राजकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कालिकट, केरल
4. डॉ प्रिया पी : साहित्य और मनोविज्ञान: बदलती विश्वदृष्टि
   सह आचार्य,हिंदी विभाग
   राजकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कालिकट, केरल
5. श्री अरुणेश शुक्ल : कथा साहित्य और विश्वदृष्टि
   सहायक आचार्य
   मानविकी एवं उदार कला विभाग
   रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल

धन्यवाद ज्ञापन : तेजस्विनी, छात्रा , बी कॉम

United Nations Academic Impact | ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY | UNIVERSITY OF SHARJAH | SHARJAH INTERNATIONAL FOUNDATION FOR THE HISTORY OF ARAB AND MUSLIM SCIENCES | RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY | ACADEMY OF EXCELLENCE

AMALIT
Alliance for Multidisciplinary Academic Linkages in Innovation and Transformation

INTERNATIONAL CONFERENCE
2023 JANUARY 23 24 25 Second Edition

TOWARDS Zero
FOR A SUSTAINABLE TOMORROW

DEPARTMENT OF HINDI

साहित्य और विश्वदृष्टि

प्रपत्र प्रस्तुति **(3 to 5 PM)**

Sl No	नाम	विषय
1	षेफना माहिन एस	पारिस्थितिकी में वैश्वीकरण का प्रभाव ; मरंग गोड़ा नीलकंठ हुआ उपन्यास के संदर्भ में
2	अखिना पी	आदिवासी लोक साहित्य और विश्वदृष्टि *(चुनी हुई आदिवासी लोक साहित्य पर आधारित)*
3	शबाब के आर	भारतीय जनतंत्र की समकालीन स्थिति और कुमार अंबुज की काव्य नीति
4	पुष्पा .सी वी	समकालीन हिंदी कविता में वृद्ध जीवन - कुछ विचार
5	श्रुति.पी.पी	साहित्यकार की परतंत्रता : वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में
6	शरफुन्निसा.के	'सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास में चित्रित पारिवारिक संबंध
7	सुजा यू	शरणम उपन्यास में अभिव्यक्त आधुनिक बोध
8	अरुण मोहन एम.आर	चुने हुए मिथकीय नाटकों में समाज और वर्ग का चित्रण
9	लक्ष्मी प्रिया वी	समकालीन हिन्दी कहानियों में उपभोगवाद
1 0	डॉ धन्या पी एस	अर्थान्ध समाज में दंपति की प्रस्तुति : चुनी हुई कहानियों के संदर्भ में
11	डॉ . शमला के ए	हिंदी छायावादी कविता में विश्वदृष्टि
12	देवी कार्तियायिनी एस	बदलते सांस्कृतिक पक्ष और बचपन : समकालीन हिंदी कहानियों में
13	एन. के. शिष्णा प्रकाशन	किन्नर का जीवन : 'यमदीप' के बहाने
14	सुकन्या पी	समकालीन हिन्दी कहानियों में विधवा समस्या : विराट करुणा का स्वर

United Nations Academic Impact | ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY | UNIVERSITY OF SHARJAH | SHARJAH INTERNATIONAL FOUNDATION FOR THE HISTORY OF ARAB AND MUSLIM SCIENCES | RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY | ACADEMY OF EXCELLENCE

AMALIT
Alliance for Multidisciplinary Academic Linkages in Innovation and Transformation

INTERNATIONAL CONFERENCE
2023 JANUARY 23 24 25 Second Edition

TOWARDS Zero
FOR A SUSTAINABLE TOMORROW

24/01 /2023 सत्र 2 (9.30 AM- 12.30PM)

स्वागत भाषण : डॉ शहला के पी

अध्यक्ष : श्री मुकेश वर्मा
साहित्यकार & संपादक, वनमाली कथा
निदेशक, वनमाली सृजन पीठ, भोपाल

आमंत्रित वक्ता

1. डॉ हेरमन पी जे
सह आचार्य
हिंदी विभाग, केरल विश्वविद्यालय
: महामारी और साहित्य : बदलती विश्वदृष्टि

2. डॉ वीणा सुमन
वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
आर्या महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
(सम्बद्ध बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय) चेतगंज
वाराणसी, उत्तर प्रदेश
:साहित्य और विचारधारा

3. डॉ प्रकाश बी सालवी
भूतपूर्व वरिष्ठ शोध अनुसंगी ICSSR
जन संपर्क अधिकारी, भारतीय शिक्षा संस्थान(IIE),
पूणे
:भारतीय राष्ट्र के संदर्भ में असमानता :
एक तार्किक दृष्टिकोण

4. सुमित्रा मिश्रा
जूनियर रिसोर्स पर्सन
राष्ट्रीय परीक्षण सेवा - भारत
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर
: समकालीन स्त्री साहित्यकारों की
विश्वदृष्टि और स्त्री भाषा में अभिव्यक्ति

प्रपत्र प्रस्तुति

Sl No	नाम	विषय
1	जयकृष्णन एम	साहित्य की विश्वदृष्टि: समलैंगिक कथा साहित्य के आईने में
2	श्रीराज.के.एस	समकालीन कविता : गाँधी चिंतन के आधार पर पर्यावरण की विश्वदृष्टि
3	श्रुतिमोल एम के	उत्तर आधुनिकता : राष्ट्रीयता और अस्मिता विमर्श
4	अनूप पी	मृदुला गर्ग के नाटक 'जादू का कालीन' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ
5	वैष्णव एन यू	भूमंडलीकरण के नए इलाके में

6	शरद कुमार झारिया	'किनिर' में आदिवासी जीवन और संघर्ष
7	मनीषा के एस	'गायब होता देश'और आदिवासी संघर्ष
8	श्रीलक्ष्मी.के.एस	' सीता मौसी ' उपन्यास में अभिव्यक्त आदिवासी स्त्री अस्मिता संघर्ष
9	सुमैया एस	'ज्यों मेहंदी को रंग' : दिव्यांग जीवन एवं संघर्ष
10	सेलीशिया जोसफ	'अन्या से अनन्या' आत्मकथा में चित्रित भूमंडलीकृत स्त्री
11	अषिता चंद्रन	नवसाम्राज्यवादी शोषण का यथार्थ : रणेन्द्र के 'गायब होता देश' के परिप्रेष्य में
12	दीपा लोनप्पन	दिव्यांग विमर्श : 'देवी' और 'मन के हारे हार' कहानियों के संदर्भ में
13	तारा बेन्नी	किन्नर समाज में आए सुधार : 'ए जिंदगी तुझे सलाम' एवं 'जिंदगी फिफ्टी फिफ्टी' के संदर्भ में
14	एन. के. शिष्णा प्रकाशन	किन्नर का जीवन : 'यमदीप' के बहाने
15	राहिता .पी. आर	आधुनिक परिवार में नष्ट होती वृद्धों की भूमिका :'चार दरवेश' के संदर्भ में

धन्यवाद ज्ञापन : एस गोपिका मेनोन, छात्रा, बी एस सी मनोविज्ञान

AMALIT
Alliance for Multidisciplinary Academic Linkages in Innovation and Transformation

INTERNATIONAL CONFERENCE
2023 JANUARY 23 24 25 Second Edition
TOWARDS Zero
FOR A SUSTAINABLE TOMORROW

सत्र 3 (2 P M - 4.30)

स्वागत भाषण : फ़िदा , छात्रा, बी एस सी मनोविज्ञान

अध्यक्ष : डॉ हेरमन पी जे
सह आचार्य
हिंदी विभाग, केरल विश्वविद्यालय

आमंत्रित वक्ता

1. डॉ हरप्रीत कौर :साहित्य, अनुवाद और विश्वदृष्टि
   सहायक आचार्य
   अनुवाद अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी
   अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा

2. डॉ एन एम श्रीकांत साहित्य और प्रतिबद्धता
   सहायक आचार्य
   हिंदी विभाग , पय्यन्नूर कॉलेज, पय्यन्नूर

प्रपत्र प्रस्तुति

1	अश्वती सी. के	समकालीन कहानियों में भूमंडलीकरण का प्रभाव
2	निखिला आर	जनप्रिय संस्कृति, मीडिया और उपभोक्तावाद
3	ब्रींदा गोपी	शैक्षणिक क्षेत्र की चुनौतियां : दलित आत्मकथाओं के संदर्भ में
4	जसीला ए के	फणीश्वरनाथ रेणु के आंचलिक उपन्यासों में राष्ट्रीयता
5	मरियम्मा बिजु	उमेश पंकज की कविताओं में अभिव्यक्त लोकतंत्र
6	डॉ श्रीजिना पी पी	'ज़िन्दगी एक जंजीर' उपन्यास में अभिव्यक्त क्वीर जीवन

7	अरुंधती मोहन	अभिमन्यु अनत और अमिताभ घोष के उपन्यासों में इतिहास एवं विश्वदृष्टि
8	रेशमा के आर	'हॉफ मैन ' उपन्यास में अभिव्यक्त तिरस्कृत वर्ग की असीम पीड़ा
9	वैष्णवी बी	राष्ट्रीयता की अवधारणा और दलित साहित्य चिंतन
10	अश्वती अनीष	नीलेश रघुवंशी की कविताओं में स्त्री अस्मिता
11	आर्या वी एल	भूमंडलीकृत मीडिया जगत में बदलते मानवीय मूल्य- शब्द पखेरू उपन्यास के विशेष संदर्भ में
12	सिम्ना एन	भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में विस्थापन: 'जलावतन' के सन्दर्भ में
13	अर्चना एस नायर	राष्ट्र की अवधारणा, लैंगिकता और साहित्य
14	पद्मा प्रिया वी	'शिकंजे का दर्द' आत्मकथा में दलित नारी
15	ऐश्वर्या कृष्णनकुट्टी पी. वी	मशीनी अनुवाद और राजभाषा कंठस्थ २.०

धन्यवाद ज्ञापन : डॉ शहला के पी